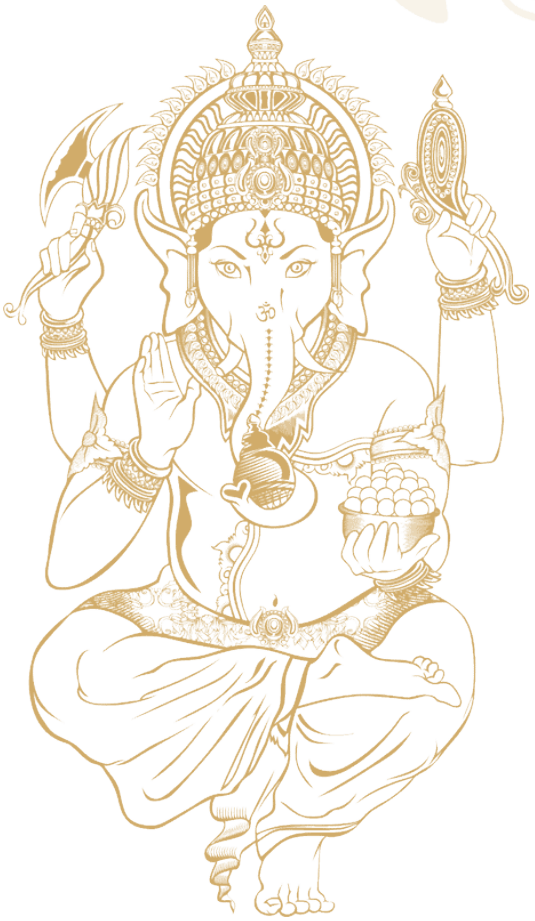

Mr.

V

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121771103

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/09/1996	जन्म तिथि	12/09/1998
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 14:48:00	जन्म समय	18:40:00 घंटे
घटी 21:17:02	जन्म समय(घटी)	31:12:47 घटी
India	देश	India
Kota	स्थान	Kota
25:11:00 उत्तर	अक्षांश	25:11:00 उत्तर
75:58:00 पूर्व	रेखांश	75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:08	स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:17:11	सूर्योदय	06:10:53
18:15:55	सूर्यास्त	18:33:42
23:48:43	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 1वर्ष 9मा 26दि	07:02:00	मक	लग्न	कुंभ	29:03:40	चन्द्र 3वर्ष 4मा 14दि
सूर्य	11:42:43	कन्या	सूर्य	सिंह	25:44:02	राहु
25/07/2025	28:34:18	मीन	चंद्र	वृष	18:50:10	26/01/2009
26/07/2031	17:37:18	कर्क	मंगल	कर्क	20:39:21	26/01/2027
सूर्य 12/11/2025	25:25:23	सिंह	बुध	सिंह	14:01:36	राहु 09/10/2011
चन्द्र 13/05/2026	14:58:08	धनु	गुरु व	कुंभ	29:41:41	गुरु 04/03/2014
मंगल 18/09/2026	29:35:02	कर्क	शुक्र	सिंह	13:15:55	शनि 08/01/2017
राहु 13/08/2027	10:01:48	मीन व	शनि व	मेष	09:08:01	बुध 28/07/2019
गुरु 31/05/2028	14:10:41	कन्या	राहु व	सिंह	07:31:05	केतु 15/08/2020
शनि 13/05/2029	14:10:41	मीन	केतु व	कुंभ	07:31:05	शुक्र 15/08/2023
बुध 20/03/2030	06:53:10	मक व	हर्ष व	मक	15:29:45	सूर्य 09/07/2024
केतु 25/07/2030	01:11:00	मक व	नेप व	मक	05:46:21	चन्द्र 08/01/2026
शुक्र 26/07/2031	07:10:28	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:39:57	मंगल 26/01/2027

लग्न-चलित

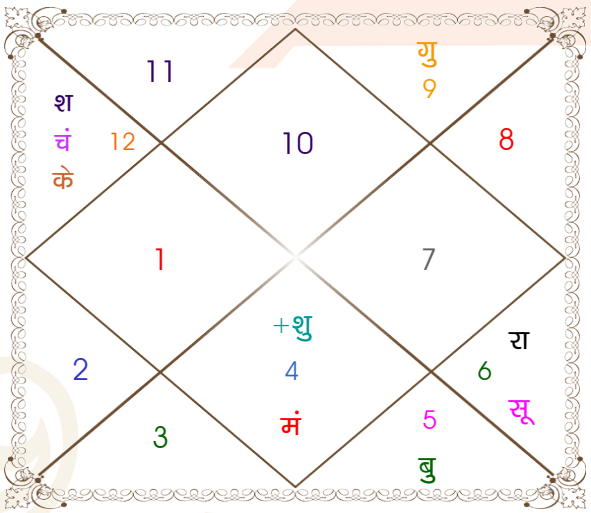

लग्न-चलित

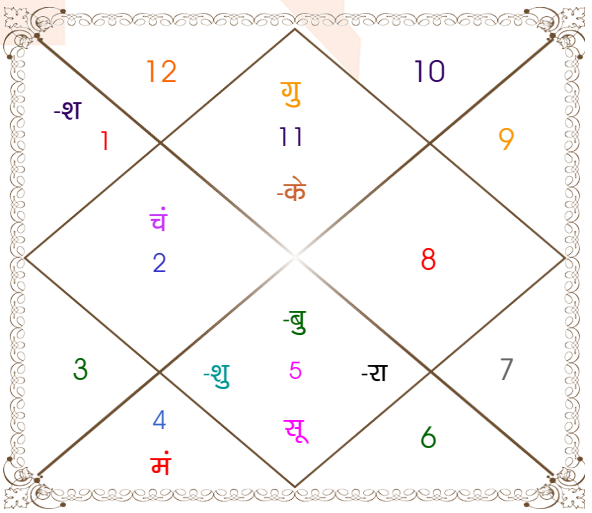

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr. का नक्षत्र रेवती है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि V का नक्षत्र रोहिणी है।

Mr. का वर्ग सिंह है तथा V का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूV मिलान के अनुसार Mr. और V का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

V मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कV जाता है।

क्योंकि राहु V कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कV जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि V कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कV जाता है।

Mr. तथा V में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूV एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।